

एम्स में नेत्रदाताओं के परिजन किए सम्मानित

ऋषिकेश, संवाददाता। एम्स के नेत्र रोग विज्ञान विभाग की ओर से नेत्रदाता परिवारों को नवाजा गया। यह कार्यक्रम समाज में नेत्रदान के प्रति जनजागरूकता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया।

बुधवार को 41 वें नेत्रदान पखवाड़े के तहत आयोजित कार्यक्रम में कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह निगरानी में चला। विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव मित्तल ने नेत्रदाता परिवारों की समाज के लिए उनके अमूल्य योगदान की सराहना की। नेत्रदान को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। नेत्रदान के लिए लोगों को प्रेरित भी किया। नेत्र बैंक के प्रबंधक महिपाल चौहान ने बताया कि नेत्र कोष में अब तक 1,338 कॉर्निया प्राप्त हुई हैं, जिनमें से एम्स में 655 जरूरतमंदों को कॉर्निया



एम्स में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में नेत्रदाता के सदस्यों को सम्मानित किया गया। • हिन्दुस्तान

प्रत्यारोपित की हैं। जबकि, अन्य मेडिकल संस्थान व नेत्र चिकित्सकों को ट्रांसप्लान्ट के लिए 326 कॉर्निया भी दी हैं। संकायाध्यक्ष अकादमिक प्रो. सौरभ वाष्णीय, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पुनीत

धमीजा, डॉ. संजीव कुमार मित्तल, प्रो. अजय अग्रवाल, उपनिदेशक प्रशासन ले. कर्नल गोपाल मेहरा, आई बैंक की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. नीति गुप्ता, डॉ. रोहित गुप्ता, प्रो. मीनाक्षी धर, डॉ. अनुपम

सिंह, डॉ. रामानुज सामंता, डॉ. सास्वत शेखर, डॉ. अनिता रानी कंसल, डॉ. अंकुर उपाध्याय, बिंदिया भाटिया, संदीप गुसाई, आलोक सिंह, पवन सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रधान टाइम्स

एम्स ऋषिकेश समारोह में नेत्रदाता परिवारों को सम्मान से नवाजा ऋषिकेश एम्स संस्थान में 41वें नेत्रदान पखवाड़े का आयोजन

- राजेश शर्मा

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, एम्स ऋषिकेश के नेत्र रोग विज्ञान विभाग ऋषिकेश आई बैंक द्वारा आयोजित समारोह में नेत्रदाता परिवारों को सम्मान से नवाजा गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य नेत्रदान करने वाले महान दाता परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना तथा समाज में नेत्रदान के प्रति जनजागरूकता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना रहा बुधवार को एम्स संस्थान में आयोजित 41 वें नेत्रदान पखवाड़े के तहत इस वर्ष की शीघ्र पर आधारित कार्यक्रम में इस संदेश को प्रदर्शित किया गया कि नेत्रदान मृत्यु के बाद भी किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में दृष्टि और आशा का संचार कर सकता है संस्थान की कार्यकारी निदेशक एवं सीओ प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह के भागदश में बुधवार को मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह का संकायाध्यक्ष अकादमिक प्रोफेसर डॉ. सौरभ वाष्णीय, चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉ. पुनीत धमीजा, विभागाध्यक्ष, नेत्र रोग



विज्ञान विभाग प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार मित्तल, प्रो. अजय अग्रवाल, उपनिदेशक प्रशासन ले. कर्नल गोपाल मेहरा एवं ऋषिकेश आई बैंक की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. नीति गुप्ता, गैस्ट्रोलाबी विभागाध्यक्ष डॉ. रोहित गुप्ता, प्रो. मीनाक्षी धर, डॉ. अनुपम सिंह, डॉ. रामानुज सामंता, डॉ. सास्वत

शेखर आदि ने संयुक्तरूप से दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। समारोह में संस्थान के नेत्र रोग विज्ञान विभाग समेत विभिन्न विभागों के फैकल्टी सदस्य, चिकित्सक, वरिष्ठ अधिकारी, मुख्य नर्सिंग अधिकारी डॉ. अनिता रानी कंसल एवं विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं

के प्रतिनिधि मौजूद रहे। नेत्र विज्ञान विभाग के कॉर्निया रेजिडेंट चिकित्सक डॉ. अंकुर उपाध्याय के संचालन में आयोजित सम्मान समारोह में लॉयंस क्लब ऋषिकेश, सुप्रवास कल्याण संस्थान हरिद्वार, देह दान समिति हरिद्वार, मुस्कान फाउंडेशन ट्रस्ट हरिद्वार के प्रतिनिधियों ने शिरकत की नेत्रदान कर मानवता की सेवा करने वाले दाता परिवारों को सम्मानित किया गया।

विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव मित्तल ने दाता परिवारों का सम्मान समाज के लिए उनके अमूल्य योगदान के प्रति संस्थान की ओर से कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने नेत्रदान को लेकर विभिन्न उपयोगी जानकारी साझा की। नेत्रदान को बढ़ावा देने में अपना महान योगदान सुनिश्चित करने का आह्वान किया ऋषिकेश आई बैंक द्वारा नेत्रदान के क्षेत्र में निरंतर जनजागरूकता एवं सेवा कार्य किए जा रहे हैं। नेत्रदान के माध्यम से प्राप्त कॉर्निया का उपयोग कॉर्नियल अंधत्व से ग्रस्त परिवारों को दृष्टि बहाल करने में किया जाता है। इस पहल का उद्देश्य

अधिक से अधिक लोगों को मृत्यु के बाद नेत्रदान का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करना है समारोह के माध्यम से संदेश दिया गया कि नेत्रदान केवल दृष्टि का दान नहीं, बल्कि मानवता, संवेदन और जीवन के प्रति एक महान योगदान है। एक व्यक्ति के नेत्रदान से किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में प्रकाश लौट सकता है और उसका भविष्य बदल सकता है आई बैंक के प्रबंधक महिपाल चौहान ने बताया कि नेत्र कोष में अब तक 1338 कॉर्निया प्राप्त हुए हैं, इनमें से एम्स में 655 जरूरतमंदों को कॉर्निया प्रत्यारोपित किए गए जबकि अन्य मेडिकल संस्थान व नेत्र चिकित्सकों को ट्रांसप्लान्ट के लिए 326 कॉर्निया वितरित किए गए। बताया गया है कि आयोजन में आई बैंक टीम की सुधी बिंदिया भाटिया, संदीप गुसाई, आलोक सिंह, पवन सिंह, काउंसलर-कम-टेक्नीशियन, तकनीकी टीम—द्वारा कार्यक्रम के आयोजन एवं नेत्रदान जनजागरूकता गतिविधियों तथा दाता परिवारों को सम्मानित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है।

एम्स में नेत्रदाता परिवारों का सम्मान

स्वतंत्र चेतना

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश के नेत्र रोग विज्ञान विभाग एवं ऋषिकेश आई बैंक की ओर से 41वें नेत्रदान पखवाड़े के तहत नेत्रदाता परिवार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ संकायाध्यक्ष अकादमिक प्रो. डॉ. सौरभ वाष्पेय, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. पुनीत धमीजा, नेत्र रोग विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. संजीव कुमार मित्तल, प्रो. अजय अग्रवाल, उपनिदेशक प्रशासन ले. कर्नल गोपाल मेहरा, आई बैंक की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. नीति गुप्ता सहित अन्य चिकित्सकों ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में नेत्रदान करने वाले परिवारों को सम्मानित करते हुए समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। इस वर्ष की थीम विजन बियॉन्ड लाइफ द अल्टीमेट लेगेसी के माध्यम से मृत्यु के बाद भी किसी जरूरतमंद के जीवन में रोशनी पहुंचाने का आह्वान



किया गया।

नेत्र रोग विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव मित्तल ने कहा कि नेत्रदान करने वाले परिवारों का योगदान समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने बताया कि नेत्रदान से प्राप्त कॉर्निया का उपयोग कॉर्नियल अंधत्व से प्रभावित मरीजों की दृष्टि बहाल करने में किया जाता है। उन्होंने लोगों से मृत्यु के बाद नेत्रदान का संकल्प लेने और इस मानवीय पहल को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के चिकित्सक, अधिकारी, नर्सिंग अधिकारी तथा सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। लॉयंस क्लब ऋषिकेश, सुप्रयास कल्याण संस्थान हरिद्वार, देहदान समिति हरिद्वार और

मुस्कान फाउंडेशन ट्रस्ट हरिद्वार के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। आई बैंक प्रबंधक महिपाल चौहान ने बताया कि नेत्र कोष में अब तक 1338 कॉर्निया प्राप्त हुए हैं। इनमें से एम्स में 655 जरूरतमंद मरीजों को कॉर्निया प्रत्यारोपित किए गए, जबकि 326 कॉर्निया अन्य चिकित्सा संस्थानों एवं नेत्र चिकित्सकों को प्रत्यारोपण के लिए वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि ऋषिकेश आई बैंक की ओर से नेत्रदान को लेकर लगातार जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। कार्यक्रम के आयोजन एवं जागरूकता गतिविधियों में आई बैंक टीम की बिंदिया भाटिया, संदीप गुसाई, आलोक सिंह, पवन सिंह सहित तकनीकी टीम ने सहयोग किया।